Raj Express (Indore), 04th March 2025, Page- 11

सफलता

आईआईटी इंदौर में बन रहा है नया हेल्थ प्लेटफॉर्म चरक डीटी

उम्र या अन्य किसी कारण से चलने-फिरने में असमर्थ लोग भी चल सकेंगे

आईआईटी के 15 स्टार्टअप्स को मिली 5 करोड़ रुपए की फंडिंग

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

पैरालिसिस, उम्र या अन्य किसी कारण से चलने-फिरने में असमर्थ लोग भी चल सकेंगे। यह अनोखा वियरेबल सॉल्यूशन एक स्टार्टअप नोवा वॉक ने बनाया है जिसे आईआईटी इंदौर ने इनक्यूबेट किया है। साथ ही किसी भी भाषा में डॉक्टर से बात करने के लिए एआई बेस्ड सॉल्यूशन भी बनाया गया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में अल्ट्रासाउंड रोबोट की मदद से सोनोग्राफी करना आसान हो गया है और सूटकेस में आ जाने वाली पोर्टेबल ब्लड टेस्टिंग यूनिट भी अब मौजूद है। सोमवार को दिल्ली के हैबिटेट सेंटर में ऐसे 15 स्टार्टअप को फंडिंग दी गई जो हेल्थ केयर सेक्टर में अनूठे प्रयास कर रहे हैं। साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्री जितेंद्र सिंह और इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को फंडिंग का लेटर दिया।

स्टार्टअप्स को 5 करोड़ रुपए की फंडिंग दी गई है और यह राशि प्रत्येक स्टार्टअप के लिए बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए की जा सकती है। इन 15 में से कुछ स्टार्टअप आईआईटी के प्रोफेसर्स ने शुरू किए हैं तो कुछ भोपाल एम्स के डॉक्टर्स ने बनाए हैं, वहीं कुछ स्टार्टअप्स डॉक्टर और इंजीनियर्स ने मिलकर बनाए हैं।

स्टार्टअप से संभव हो रहा इलाज

इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने कहा आईआईटी इंदौर ने ऐसे स्टार्टअप्स की मदद की है जो हेल्थ केयर के क्षेत्र में क्रांतिकारी काम कर रहे हैं। आज से 10-20 साल पहले जिन बीमारियों का इलाज असंभव लगता था वह आज स्टार्टअप्स ने संभव कर दिखाया है। इन स्टार्टअप्स की मदद से ग्रामीण क्षेत्र में भी उच्च स्तरीय हेल्थ केयर सुविधा पहुंचना संभव है। इस अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सेक्रेटरी अभय करंदीकर, आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर सुहास जोशी, साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफफ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी की हेड डॉ. एकता कपूर मौजूद थीं।